Z\_¨weeiYx b¤^i : 2016

**miKvi agx©q m¤úªxwZ M‡o Zzj‡Z KvR Ki‡Q**

 **-- cÖwZgš¿x iv½uv**

M½vPov (iscyi), 6 kÖveY (21 RyjvB) :

cjøx Dbœqb I mgevq cÖwZgš¿x †gvt gwmDi ingvb iv½uv e‡j‡Qb, eZ©gvb miKvi mKj a‡g©i gvby‡li agx©q myiÿv, wbwe©Nœ agx©q AvPvi-Abyôvb cvjb, åvZ…Z¡‡eva I agx©q m¤úªxwZ M‡o Zzj‡Z KvR Ki‡Q|

cÖwZgš¿x AvR iscyi †Rjvi MsMvPov Dc‡Rjvq evsjv‡`k c~Rv D`&hvcb cwil` MsMvPov Dc‡Rjv kvLv Av‡qvwRZ mfvq cÖavb AwZw\_i e³‡e¨ Gme K\_v e‡jb|

 cÖwZgš¿x e‡jb, mviv‡`‡ki gw›`i †givgZ, cybwbg©vY I msiÿ‡Yi Rb¨ 200 †KvwU UvKvi cÖKí ev¯Íevqb Kiv n‡”Q| wn›`y m¤úª`v‡qi gw›`i wfwËK wkï I MYwkÿv Kvh©µg ev¯Íevq‡bi D‡`¨vM †bIqv n‡q‡Q| wZwb Av‡iv e‡jb, ag© I agx©q g~j¨‡ev‡ai h\_vh\_ cwicvjb wbwðZ Kivi gva¨‡g DbœZ, mg„× I kvwšÍgq mgvR wbg©vY m¤¢e| wZwb cÖavbgš¿x †kL nvwmbvi †bZ…‡Z¡ mbvZb a‡g©i AbymvixMY‡K †`k I RvwZi Kj¨v‡Y HK¨e× f~wgKv ivLvi AvnŸvb Rvbvb|

 Gi Av‡M cÖwZgš¿x MsMvPov wWMÖx K‡jR I gwnjv wWMÖx K‡j‡Ri bZzb fe‡bi D‡Øvab Abyôv‡b Ges c‡i eoevox Rv‡g gmwR` I KvIivdv›`v Rv‡g gmwR‡`i D‡Øvab Abyôv‡b e³e¨ iv‡Lb|

#

Avnmvb/cvi‡fR/‡mwjgy¾vgvb/2018/2300 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2015

**PjwZ eQi nR G‡RwÝ‡K AwZwi³ Pvi kZvsk nRhvÎx cÖwZ¯’vc‡bi my‡hvM cÖ`vb**

XvKv, 6 kÖveY (21 RyjvB) :

ag©gš¿x Aa¨¶ gwZDi ingvb e‡j‡Qb, evsjv‡`‡ki Rb¨ wba©vwiZ †KvUvi mgmsL¨K nRhvÎx‡K †mŠw` Avi‡e Mg‡bi my‡hvM cÖ`vb Ges myôy nR e¨e¯’vcbvi j‡¶¨ miKvi cÖwZwU G‡RwÝ‡K AwZwi³ Pvi kZvsk nRhvÎx cÖwZ¯’vc‡bi my‡hvM cÖ`v‡bi wm×všÍ MÖnY Kiv n‡q‡Q|

gš¿x AvR mÜ¨vq Zuvi †eBjx †iv‡Wi evm feb Awd‡m ag© gš¿Yvjq Av‡qvwRZ †cÖm weªwds‡q Gme Z\_¨ Rvbvb|

ag©gš¿x e‡jb, nR G‡RwÝmg~n‡K cÖwZ¯’vc‡bi Rb¨ wZbwU kZ© c~iY Ki‡Z n‡e| kZ©mg~n nj: 1) G‡RwÝ‡K m‡e©v”P Pvi kZvsk nRhvÎx cÖwZ¯’vc‡bi Rb¨ Zuvi wbR¯^ c¨v‡W cwiPvjK, nR Awdm, Avk‡Kvbv, XvKv eivei 24 RyjvB weKvj cuvPUvi g‡a¨ Av‡e`b Ki‡Z n‡e| Av‡e`bwU AbjvB‡bI wbwðZ Kiv hv‡e; 2) Av‡e`‡bi c‡Îi mv‡\_ cÖwZ¯’vcb‡hvM¨ nRhvÎxi ¸iæZi Amy¯’Zv A\_ev g„Zz¨RwbZ Kvi‡Y nR cvjb Ki‡Z cvi‡eb bv g‡g© Dchy³ wPwKrm‡Ki wbKU †\_‡K mb`cÎ `vwLj Ki‡Z n‡e; 3) cÖwZ¯’vcb cÖvwßi Rb¨ G‡RwÝi cÿ †\_‡K †Kvb wg\_¨v Z\_¨ cÖ`vb Kiv n‡”Q bv g‡g© wZbkÕ UvKvi bb-RywWwkqvj ÷¨v‡¤ú A½xKvibvgv Av‡e`‡bi mv‡\_ `vwLj Ki‡Z n‡e|

Gmgq gš¿x Av‡iv e‡jb, nR cieZ©x mg‡q wg\_¨v Z\_¨ cÖ`vb K‡i †Kvb cÖwZ¯’vcb MÖnY Kiv n‡q‡Q wKbv Zv hvPvB Kiv n‡e| hvPvB K‡i cÖ`Ë Z\_¨ wg\_¨v cÖgvwYZ n‡j mswkøó G‡RwÝi weiæ‡× jvB‡mÝ evwZjmn wewa ‡gvZv‡eK e¨e¯’v MÖnY Kiv n‡e|

ag©gš¿x e‡jb, RvZxq nR I Igivn bxwZ 1439 wnRwi/2018 wLª: Abyhvqx g„Zz¨RwbZ I ¸iæZi Amy¯’Zv RwbZ Kvi‡Y cÖwZwU G‡RwÝ Zvi wbewÜZ nRhvÎx‡`i ga¨ †\_‡K Pvi kZvsk nRhvÎx cÖwZ¯’vcb Ki‡Z cv‡i| nR bxwZi G weavb Abymv‡i mswkøó G‡RwÝi Av‡e`‡b BwZg‡a¨ Pvi kZvsk wn‡m‡e †gvU 4 nvRvi 6 kZ 14 Rb nRhvÎx cÖwZ¯’vwcZ n‡q‡Qb|

Aa¨¶ gwZDi ingvb Zuvi e³‡e¨ e‡jb, MZ 14 RyjvB n‡Z nRhvÎxMY wegvb evsjv‡`k GqvijvBÝ Ges ‡mŠw` G¨vivweqvb GqvijvBÝ ‡hv‡M nR cvj‡bi D‡Ï‡k¨ †mŠw` Avie Mgb ïiæ K‡i‡Qb| AvR 21 RyjvB ch©šÍ †gvU 37 nvRvi 2 kZ 22 Rb nRhvÎx BwZg‡a¨ †mŠw` Avi‡e ‡cuŠ‡Q‡Qb|

gš¿x Av‡iv Rvbvb, 21 RyjvB miKvwi e¨e¯’vcbvi 6 nvRvi 4 kZ 27 Rb Ges †emiKvwi e¨e¯’vcbvi 61 nvRvi 25 Rb ‡gvU 67 nvRvi 4 kZ 52 Rb nRhvÎxi wfmv cvIqv wM‡q‡Q| †gvU 5 kZ 11wU G‡RwÝ 1 jÿ 5 nvRvi 4 kZ 42 Rb nRhvÎxi wecix‡Z wegvb evsjv‡`k GqvijvBÝ Ges †mŠw` G¨vivweqvb GqvijvB‡Ýi AbyK~‡j wU‡KU cÖvwßi j‡ÿ¨ †c-AW©vi Bmy¨ Kiv n‡q‡Q| Aewkó nRhvÎx‡`i AbyK~‡j wU‡KU msMÖ‡ni Rb¨ †c-AW©vi Bmy¨ Ki‡Z mswkøó G‡RwÝmg~n‡K wb‡`©kbv cÖ`vb Kiv n‡q‡Q|

GK cÖ‡kœi DË‡i gš¿x Rvbvb, 2018 mv‡ji Rb¨ evsjv‡`‡ki mKj wbewÜZ nRhvÎx †Kvb cÖKvi Amyweav QvovB G eQi n‡R Mgb Ki‡Z cvi‡eb|

G mgq Av‡iv Dcw¯’Z wQ‡jb ag© welqK gš¿Yvj‡qi mwPe †gvt AvwbQzi ingvb, hyM¥ mwPe (nR) †gvt nvwdR DwÏb, cwiPvjK (nR) †gvt mvBdzj Bmjvg cÖgyL|

#

Av‡bvqvi/cvi‡fR/‡mwjgy¾vgvb/2018/2245 NÈv

তথ্যবিবরণী নম্বর: ২০১৪

**গ্রাহকদের হয়রানিমুক্ত বিদ্যুৎ দিতে আরো আন্তরিক হতে হবে**

 **-- বিদ্যুৎ প্রতিমন্ত্রী**

ঢাকা, ৬ শ্রাবণ (২১ জুলাই):

 বিদ্যুৎ, জ্বালানি ও খনিজ সম্পদ প্রতিমন্ত্রী নসরুল হামিদ বলেছেন, গ্রাহকদের হয়রানিমুক্ত বিদ্যুৎ দিতে আরো আন্তরিক হতে হবে। উৎপাদন, বিতরণ ও সঞ্চালন সংস্থাগুলোর মধ্যে সমন্বয় বাড়াতে নিজেদের উদ্যোগ নিতে হবে। উন্নয়ন পরিকল্পনা বাস্তবায়ন যেন চাহিদা মাফিক হয়।

 প্রতিমন্ত্রী আজ বাংলাদেশ পল্লী বিদ্যুতায়ন বোর্ড (বাপবিবো)-এর সম্মেলন কক্ষে জেনারেল ম্যানেজার সম্মেলনে প্রধান অতিথির বক্তব্যে এসব কথা বলেন। গ্রাহক তথা জনগণের সন্তুষ্টিই আমাদের মূল লক্ষ্য। তাদের কোন অবস্থায়ই হয়রানি করা যাবে না, হাসি মুখে কথা বলতে হবে। আগামী তিন মাসের মধ্যে বিদ্যমান সমস্যার সমাধান করতে হবে। সরকার প্রয়োজনীয় সকল সহযোগিতা দ্রুততার সাথে দিবে বলে মন্তব্য করেন প্রতিমন্ত্রী।

 অনুষ্ঠানে শতভাগ উপজেলা বিদ্যুতায়নের টার্গেট এবং তার জন্য মাঠ পর্যায়ে সমস্যা, কারিগরি সীমাবদ্ধতা ও বিদ্যুৎ বিভ্রাট নিরসন, ট্রান্সফরমার নষ্টের সম্ভাব্য কারণ ও প্রতিকার, বৈদ্যুতিক দুর্ঘটনা হ্রাসকল্পে করণীয় ও প্রতিকার, রাইট অভ্ ওয়ে ও লাইন রক্ষণাবেক্ষণ, প্রিপেমেন্ট মিটার স্থাপন ও পরিচালন ইত্যাদি বিষয় নিয়ে আলোচনা করা হয়। ১৯৭৮ থেকে ২০০৮ সাল নাগাদ ৩০ বছরে বাংলাদেশ পল্লী বিদ্যুতায়ন বোর্ড (বাপবিবো)-এর গ্রাহক ছিল ৭৪ লক্ষ, যা বিগত নয় বছরে বেড়ে হয়েছে ২ কোটি ৪১ লক্ষ। ইতিমধ্যে ২৪০টি উপজেলা শতভাগ বিদ্যুতায়ন সম্পন্ন হয়েছে, বাকিগুলো নির্ধারিত সময়েই হয়ে যাবে। ২০১৭-১৮ অর্থ বছরে বাপবিবো ৫৫ হাজার কিলোমিটার লাইন নির্মাণ ও ১৮০০ এমভিএ ক্ষমতা সম্পন্ন উপকেন্দ্র স্থাপন করে ৩৯ লক্ষ গ্রাহককে নতুন সংযোগ প্রদান করেছে ও ২৫টি পল্লী বিদ্যুৎ সমিতি আইএসও (ISO) সনদ অর্জন করেছে। এখন, ২০১৮-১৯ অর্থ বছরে বাপবিবো ৫০ হাজার কিলোমিটার লাইন নির্মাণ ও ২১৭৭ এমভিএ ক্ষমতা সম্পন্ন উপকেন্দ্র নির্মাণ করে ২৫ লক্ষ গ্রাহককে নতুন সংযোগ প্রদান করার পরিকল্পনা গ্রহণ করেছে।

 জিএম সম্মেলনে অন্যান্যের মধ্যে বিদ্যুৎ সচিব ড. আহমদ কায়কাউস, বাংলাদেশ বিদ্যুৎ উন্নয়ন বোর্ডের চেয়ারম্যান খালেদ মাহমুদ, বাংলাদেশ পল্লী বিদ্যুতায়ন বোর্ডের চেয়ারম্যান মেজর জেনারেল মঈন উদ্দিন (অবঃ) ও পাওয়ার সেলের মহাপরিচালক মোহাম্মদ হোসেন বক্তব্য রাখেন।

#

আসলাম/সেলিম/পারভেজ/রেজাউল/২০১৮/১৮৪৮ ঘণ্টা

তথ্যবিবরণী নম্বর : ২০১৩

জাতীয় **মৎস্য সপ্তাহ** উপলক্ষে প্রধানমন্ত্রীর বাণী

ঢাকা, ৬ শ্রাবণ (২১ জুলাই) :

 **প্রধানমন্ত্রী শেখ হাসিনা জাতীয় মৎস্য সপ্তাহ উপলক্ষে নিম্নোক্ত বাণী প্রদান করেছেন :**

 **"জাতীয় মৎস্য সপ্তাহ ২০১৮ উপলক্ষে আমি দেশের সকল মৎস্য চাষি ও মৎস্যজীবীসহ মৎস্যখাত সংশ্লিষ্ট সকলকে আন্তরিক শুভেচ্ছা জানাই। দিবসটির এবারের প্রতিপাদ্য 'স্বয়ংসম্পূর্ণ মাছে দেশ, বঙ্গবন্ধুর বাংলাদেশ' অত্যন্ত তাৎপর্যপূর্ণ হয়েছে বলে আমি মনে করি।**

 **মাছে-ভাতে বাঙালি - এ ঐতিহ্য পুনরুদ্ধার করে এক সমৃদ্ধ বাংলাদেশ গড়তে মৎস্যখাত উল্লেখযোগ্য ভূমিকা রাখছে। বর্ধিত জনগোষ্ঠীর প্রাণিজ আমিষের চাহিদা পূরণের পাশাপাশি কর্মসংস্থান সৃষ্টি, বৈদেশিক মুদ্রা অর্জন, নারীর ক্ষমতায়ন ও দারিদ্র্য বিমোচনের মাধ্যমে দেশের অর্থনীতিতে মৎস্যখাত গুরুত্বপূর্ণ অবদান রেখে চলেছে।**

 **সমুদ্র বিজয়ের মাধ্যমে সৃষ্ট ব্লু-ইকোনমির বিশাল সম্ভাবনা কাজে লাগানোর লক্ষ্যে আওয়ামী লীগ সরকার নিরলসভাবে কাজ করে যাচ্ছে। গবেষণা ও জরিপ জাহাজ ক্রয় করে সামদ্রিক মৎস্যসম্পদের জরিপ কার্যক্রম চলমান রয়েছে। গভীর সমুদ্রে মৎস্য আহরণের লক্ষ্যে প্রথমবারের মতো লং লাইনার ও পার্সসেইনার এর মাধ্যমে মৎস্য আহরণের উদ্যোগ গ্রহণ করা হয়েছে। সমন্বিত ব্যবস্থাপনা ও সামাজিক নিরাপত্তা কর্মসূচিসহ আমাদের সরকারের গণমুখী কর্মকাণ্ডের ফলে ইলিশ উৎপাদনে অভাবনীয় সাফল্য অর্জিত হয়েছে। জাতীয় মাছ ইলিশকে আন্তর্জাতিকভাবে ব্রান্ডিং-এর লক্ষ্যে ভৌগলিক নির্দেশক পণ্য হিসেবে নিবন্ধন করা হয়েছে।**

 **রূপকল্প ২০২১ ও ২০৪১ বাস্তবায়নের মাধ্যমে বাংলাদেশকে সর্বকালের সর্বশ্রেষ্ঠ বাঙালি, জাতির পিতা বঙ্গবন্ধু শেখ মুজিবুর রহমানের স্বপ্নের সোনার বাংলাদেশ হিসেবে গড়ে তুলতে আমরা কাজ করে যাচ্ছি। বিপুল সম্ভাবনাময় মৎস্যখাত এ লক্ষ্য অর্জনে গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা রাখতে পারে। আমি আশা করি, মৎস্যখাতের সার্বিক উন্নয়নে সংশ্লিষ্ট সবাই আরো নিষ্ঠার সঙ্গে কাজ করবেন।**

 আমি **জাতীয় মৎস্য সপ্তাহ ২০১৮-** এর সার্বিক সাফল্য কামনা করছি।

**জয় বাংলা, জয় বঙ্গবন্ধু**

**বাংলাদেশ চিরজীরী হোক।"**

#

ইমরুল/সেলিম/পারভেজ/সেলিমুজ্জামান/২০১৮/১৭০১ ঘণ্টা

Z\_¨weeiYx b¤^i t 2012

**RvZxq grm¨ mßvn Dcj‡ÿ ivóªcwZi evYx**

XvKv, 6 kÖveY (21 RyjvB) :

 ivóªcwZ †gvt Ave`yj nvwg` RvZxq grm¨ mßvn 2018 Dcj‡ÿ wb‡¤œv³ evYx cÖ`vb K‡i‡Qb :

 Ògrm¨ I cÖvwYm¤ú` gš¿Yvj‡qi D‡`¨v‡M cÖwZ eQ‡ii b¨vq GeviI RvZxq grm¨ mßvn 2018 D`&hvwcZ n‡”Q †R‡b Avwg AZ¨šÍ Avbw›`Z| †`‡ki grm¨ m¤ú` msiÿY I gv‡Qi Drcv`b e„w×‡Z G D‡`¨vM mnvqK f‚wgKv cvjb Ki‡e e‡j Avwg g‡b Kwi|

 b`-b`x, nvIi-evIo mg„× evsjv‡`‡ki Avcvgi Rbmvavi‡Yi cywó Pvwn`vc~iY, Kg©ms¯’vb m„wó, `vwi`ª¨‡gvP‡bi cvkvcvwk ˆe‡`wkK gy`ªv AR©‡b grm¨ m¤ú‡`i ¸iæZ¡c~Y© f‚wgKv i‡q‡Q| eZ©gvb miKv‡ii wbišÍi cÖ‡Póvq evsjv‡`k AvR wgVv cvwbi gvQ Drcv`‡b we‡k¦ PZz\_©| Dbœq‡bi G aviv Ae¨vnZ ivL‡Z AvaywbK I cwiKwíZ Dcv‡q grm¨Pvl, AvniY I cwiPh©v, grm¨ m¤ú‡`i h\_vh\_ msiÿY I ¯^v¯’¨m¤§Z mieivn e¨e¯’vcbv wbwðZ Kiv AZ¨šÍ Riæwi| we‡kl K‡i †`kxq gv‡Qi cÖRvwZ iÿvq wewfbœ b`-b`x I Rjvkq¸‡jv‡Z cÖRbb †gŠmy‡g grm¨ AvniY wbwl× Kiv, gv‡Qi AfqviY¨ †NvlYvmn mg‡q mg‡q miKv‡ii †bqv c`‡ÿc¸‡jvi h\_vh\_ ev¯Íevq‡b Avwg mKj‡K m‡Pó \_vKvi AvnŸvb Rvbvw”Q| evsjv‡`‡ki wekvj mgy`ªmxgv g~j¨evb RjR m¤ú‡`i Avavi| eøy-B‡Kvbwgi G m¤¢vebv‡K Kv‡R jvMv‡Z mvgyw`ªK grm¨ m¤ú‡`i msiÿY I †UKmB AvniY wbwðZKi‡Y mswkøó KZ…©cÿ h\_vh\_ c`‡ÿc MÖnY Ki‡eb G cÖZ¨vkv Kwi|

 me©Kv‡ji me©‡kÖó evOvwj, RvwZi wcZv e½eÜz †kL gywReyi ingvb GKwU myLx-mg„× †mvbvi evsjv Movi ¯^cœ †`‡LwQ‡jb| evsjv‡`‡ki AcÖwZ‡iva¨ AMÖhvÎvi mv‡\_ GKvZ¥ n‡q Gev‡ii RvZxq grm¨ mßv‡ni cÖwZcv`¨ Ô¯^qsm¤ú~Y© gv‡Q †`k, e½eÜzi evsjv‡`kÕ h\_v\_© I Zvrch©c~Y© n‡q‡Q e‡j Avwg g‡b Kwi| G †`k‡K GKwU DbœZ †`‡k iƒcvšÍ‡i grm¨Lv‡Zi m¤¢vebv‡K Kv‡R jvMv‡Z mswkøó mK‡j AvšÍwiKZv, wbôv I `ÿZvi mv‡\_ KvR Ki‡eb GUvB Avgvi cÖZ¨vkv|

 Avwg RvZxq grm¨ mßvn 2018-Gi mvwe©K mvdj¨ Kvgbv KiwQ|

 †Lv`v nv‡dR, evsjv‡`k wPiRxex †nvK|Ó

#

nvmvb/‡mwjg/cvi‡fR/‡mwjgy¾vgvb/†iRvDj/2018/1700 NÈv